Shikshan Sanshodhan : Journal of Arts, Humanities and Social Sciences ISSN: 2581-6241 Volume - 4, Issue - 4, Apr - 2021
Monthly, Peer-Reviewed, Refereed, Indexed Journal Impact Factor: 3.871
Received on : 10/04/2021 Accepted on : 26/04/2021 Publication Date: 30/04/2021

थाईलैंड के उत्तर की लोककथा

[1] पद्मा सवांगश्री, [2] सेकसन सवांगश्री

[1] सहायक प्रोफेसर डॉक्टर, पालि-संस्कृत-हिंदी का अनुविभाग, चियांगमाई विश्वविद्यालय, थाईलैंड

[2] डॉक्टर, पालि-संस्कृत-हिंदी का अनुविभाग, चियांगमाई विश्वविद्यालय, थाईलैंड

Email - [1]pattamasawangsri@gmail.com , [2] seksansawangsri@gmail.com

लोककथाएँ वे कहानियाँ हैं जो पुराने मनुष्य की कथा एक पीढ़ी से एक पीढ़ी को सुनाई जाती हैं और किसी को पता नहीं था कि किसने लिखा। मसलन दादा-दादी माता-पिता को सुनाते थे। माता-पिता पुत्र-पुत्री को सुनाते थे। थाईलैंड में अनेक लोककथाएँ लोकप्रिय हैं जो कहानी थाईलैंड से आधार हुआ था जैसे *संखदोंग, प्लाबूदोंग, क्राईदोंग, सनोनौयरेइनङाम, खुनछांग-खुनफैन, श्रीधनञ्जय, नागब्रःखनोंग* आदि और विदेशी से आती हुई कहानी लेकिन थाईलोग थाई की संस्कृति में मानते हैं जैसे महाकाव्य रामायण भारत से थाई की लोककथा हो जाता हैं जैसे ईसान की ब्रःलक्ष-ब्रःराम कहानी, उत्तर की ब्रह्मचक्र-हरमान कहानी आदि।

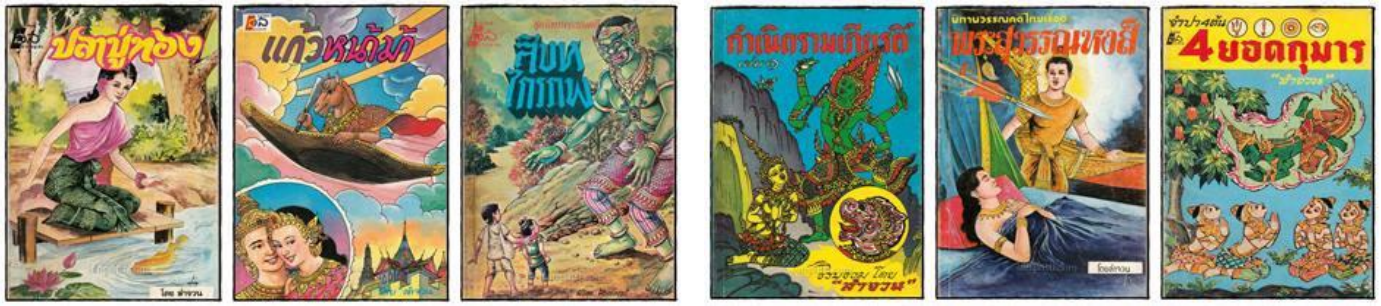

थाई के समाज में परंपरा सुनाई हुई लोककथा अनेक प्रकार हैं मसलन देव की कहानी (myth), अश्चर्य की कहानी (fairytale), जीवन की कहानी (novella), मुद्रलेख की कहानी (legend), शिक्षाप्रद की कहानी (didactic tale), व्याख्यात्मक की कहानी (explanatory tale), जानवर की कहानी (animal tale), भूत की कहानी (ghost story), मज़ाक की कहानी (joke), झूठी की कहानी (tall tale)।[1]

[1]युवाओं के लिए थाई इनसाइक्लोपीडिया प्रोजेक्ट महामहिम राजा द्वारा. **यूथ के लिए थाई इनसाइक्लोपीडिया वॉल्यूम 26, अंक 1 फोक टेल्स, थाई एनसाइक्लोपीडिया प्रोजेक्ट फॉर यूथ महामहिम राजा द्वारा.** बैंकॉक: डानसुद्धाकानबिम्ब, 2005

हम निम्नलिखित थाई के उत्तर की लोककथा सुनाएँगे। जो व्याख्यात्मक की कहानी मनुष्य की उम्र के बारे में है।[2]

अतीत में जो गिन नहीं पाए मनुष्य की उम्र सिर्फ तीस साल हैं क्योंकि बौद्ध भगवान ने इतने दिया। मनुष्य की उम्र तीस साल हैं, गाय और भैंस की उम्र तीस साल हैं, कुत्ते की उम्र तीस साल हैं, बंदर की उम्र तीस साल हैं। एक दिन बौद्ध भगवान ने सबको बुलाकर और पूछा कि

" गाय और भैंस आपके कार्य क्या हैं ? "

उन्होंने उत्तर दिया कि " हम मनुष्य की सेवा करते हैं। "

बौद्ध भगवान ने कहा कि " इसलिए मैं आपको तीस साल की उम्र दे दूँगा। "

गायों और भैंसों ने कहा कि " अरे भगवान हमारे जीवन परेशान हुए थे इसलिए हमें सिर्फ दस साल की उम्र चाहिए मनुष्य को हमारी बाकी उम्र दे दिजिए "

जब गायों और भैंसों ने मनुष्य को उम्र दी तब मनुष्य की उम्र पचास साल हैं। उसके बाद बौद्ध भगवान ने कुत्तों को बुलाकर और पूछा कि -

" कुत्ते तुम्हारे कार्य क्या हैं ? "

कुत्तों ने कहा " हम चोर भौंकते हैं और मनुष्य का घर की सुरक्षा करते हैं "

बौद्ध भगवान ने कहा कि " इसलिए मैं आपको तीस साल की उम्र दे दूँगा। "

कुत्तों ने कहा कि " अरे भगवान हमें सिर्फ दस साल की उम्र चाहिए मनुष्य को हमारी बाकी उम्र दे दिजिए "

जब कुत्तों ने मनुष्य को उम्र दी तब मनुष्य की उम्र सत्तर साल हैं। उसके बाद बौद्ध भगवान ने बंदरों को बुलाकर और पूछा कि

" बंदर तुम्हारे कार्य क्या हैं ? "

बंदरों ने कहा " हम मनुष्य को नाटक दिखाते हैं "

बौद्ध भगवान ने कहा कि " इसलिए मैं आपको तीस साल की उम्र दे दूँगा "

बंदरों ने कहा कि " अरे भगवान हमें सिर्फ दस साल की उम्र चाहिए मनुष्य को हमारी बाकी उम्र दे दिजिए "

इस प्रकार से मनुष्य की उम्र लगभग सत्तर से नब्बे तक साल हैं और उनका व्यवहार उनकी उम्र के बीच में विभिन्न होते हैं जैसे जब मनुष्य की उम्र तीस साल हैं तब उनका जीवन आनंदपूर्ण हैं कुछ नहीं सोचते। जब मनुष्य की उम्र तीस साल से पचास साल तक हैं तब उनके पास यात्रा के बारे में हमेशा चिंता है, जैसे गाय-भैंस बंधन किए जाते हैं।

जब मनुष्य की उम्र पचास साल से सत्तर साल तक हैं, उनके पास धन के बारे में हमेशा चिंता है और हमेशा डर लगता है कि कोई लोग मेरा धन चोरी मत कीजिए, जैसे कुत्ते हमेशा घर की सुरक्षा करते हैं। जब मनुष्य की उम्र सत्तर साल से नब्बे साल तक हैं उनका व्यवहार जैसे बंदर है, हमेशा भूल गए और पता नहीं हैं कि अभी हम क्या करें।

[2] The Center for the Promotion of Arts and Culture, Chiang Mai University. (2014). **Lannakadee**. Retrieved February, 18, 2019 from http://lannakadee.cmu.ac.th/area1/story/index.php?pid=25 (कला और संस्कृति के संवर्धन के लिए केंद्र, चियांगमाई विश्वविद्यालय. (2014). **Lannakadee.** प्राप्त किया फरवारी, 18, 2019, http://lannakadee.cmu.ac.th/area1/story/index.php?pid=25 से)